47.7 प्रतिशत आबादी गरीबी की रेखा के नीचे रहती है। इनके लिए पैकेज तैयार होना चाहिए। जो ट्राइबल लोग हैं, जो कमजोर लोग हैं, जो मयूरभंज, सुंदरगढ़, नवरंगपुर, कोरापुट, मल्कनगरी में रहते हैं, जहां शिक्षा की व्यवस्था नहीं है, वहां इसकी व्यवस्था होनी चाहिए। देश में पहली बार निरक्षरता 3 करोड़ कम हुई है, इस नाते उड़ीसा में जो पिछड़ा एरिया है, वनवासी एरिया है, इस एरिया में काम होना चाहिए। मैं स्वागत करता हूं कि इस साल ऑल इंडिया इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज की तरह भुवनेश्वर मे एक मेडिकल कालेज बनने जा रहा है। हमारे अर्थ मंत्री जी को मैं फिर बधाई देता हूं कि ऐसे समय जब कि देश कठिन परिस्थितियों से गुजर रहा है, उन्होंने बड़े आत्मविश्वास के साथ यह बजट प्रस्तुत किया है और वे इन्फ्रास्ट्रक्चर के लिए इतना धन दे रहे हैं। धीरे-धीरे देश का सपना बदलेगा और आम जनता के पास जो आर्थिक अनुदान जाता है, वह आर्थिक अनुदान उनके पास पहुंचेगा। सबको मकान मिलेगा, सबको पीने का पानी मिलेगा, सबको चलने के लिए रास्ता मिलेगा, सबके लिए बिजली मिलेगी और यह देश शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में आगे बढ़ेगा। मैं अर्थ मंत्री जी को धन्यवाद देकर अपनी बात समाप्त करता हूं, धन्यवाद।

RE. ALLEGED ATTACK ON A UNION MINISTER OF STATE

श्री दिनेश त्रिवेदी (पश्चिमी बंगाल) : उपसभाध्यक्ष महोदय, अभी यह खबर मिली है कि श्री तपन सिकदर पर सी.पी.एम. कैडर ने अटैक किया है, हमें इसकी डिटेल्स मालूम नहीं हैं। मैं सरकार और होम मिनिस्टर से दरख्वास्त करूंगा कि इस बारे में कुछ बताया जाए। मुझे उम्मीद है कि तपन सिकदर जी ठीक हैं। खबर यह मिली है कि उन पर सी.पी.एम. ने बंगाल में फिज़िकली अटैक किया है।

श्री एस0एस0 अहलुवालिया (झारखंड) : महोदय, श्री तपन सिकदर एक केन्द्रीय मंत्री हैं और पश्चिमी बंगाल में मार्क्सवादी संत्रासवादियों ने उन पर अटैक किया है। मैं आपके माध्यम से सरकार से जानना चाहूंगा कि सच्चाई क्या है, उनकी क्या अवस्था है और दोषी लोगों के खिलाफ क्या कार्यवाही की गई है?

DR. ALLADI P. RAJKUMAR (Andhra Pradesh) : Let the Leader of the House ascertain the facts and get back to the House.

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री तथा संसदीय कार्य मंत्री (श्रीमती सुषमा स्वराज) : उपसभाध्यक्ष महोदय, इस खबर की जानकारी मुझे भी अभी मिली है और मैं स्वयं चिंतित थी। यहां आकर मैंने देखा कि सदन भी चिंतित है। यह बहुत स्वाभाविक है। मैं अभी गृह मंत्री जी को इसकी जानकारी दूंगी और उनसे यह कहूंगी कि मैं आपको सदन की भावनाओं से अवगत करा रही हूं।